लखनऊ में नए औद्योगिक क्षेत्र बनेंगे

■ विजय वर्मा

लखनऊ। राजधानी में नए औद्योगिक क्षेत्र चिह्नित किए जाएंगे। उद्योग विभाग बाहरी इलाकों में औद्योगिक क्षेत्र चिह्नित करेगा। नए क्षेत्रों का नया मास्टर प्लान भी बनाया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी उद्योग विभाग को दी गयी है। एलडीए भी मदद करेगा। इससे उद्यमियों को जमीन खरीदने व उद्योगों की स्थापना में आसानी होगी।

राजधानी में पुराने औद्योगिक क्षेत्रों में अब जमीन नहीं बची है। मास्टर प्लान में पूर्व में चिह्नित इलाकों की जमीनों पर भी निर्माण हो गया है। जो जमीनें प्रस्तावित की गई थीं उन पर दूसरे काम हो रहे हैं। इसकी वजह से उद्यमियों को जमीनें खरीदने में दिक्कतें हो रही हैं। औद्योगिक भू-उपयोग के बाहर उद्यमी जमीन नहीं खरीद सकते हैं। अन्य भू-उपयोग की जमीन खरीदने पर उनके नक्शे नहीं पास होते हैं। इससे उद्यमी काफी परेशान हैं।

■ उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे हैं प्रयास

■ 25 तरीके के उद्योगों के लिए चिह्नित होंगे क्षेत्र

वर्तमान में विकसित औद्योगिक क्षेत्र

कानपुर रोड, देवा रोड, चिनहट, सरोजनी नगर, अमौसी, तालकटोरा रोड ही वर्तमान में विकसित औद्योगिक क्षेत्र हैं। इनमें उद्योगों के अलावा अन्य व्यवसाय चल रहे हैं।

2031 के मास्टर प्लान में ये औद्योगिक क्षेत्र

कुर्सी रोड, अस्ती रोड बीकेटी, नगराम रोड, सीतापुर रोड, मोहान रोड तथा सुल्तानपुर रोड को औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया है। सुल्तानपुर रोड पर 46 हेक्टेयर भूमि पर आईटी सिटी प्रस्तावित है।

मास्टर प्लान में होगी अलग-अलग जगह

राजधानी में 25 तरीके के उद्योगों के लिए नए क्षेत्र चिह्नित किए जाएंगे। अलग अलग इण्डस्ट्री के लिए मास्टर प्लान में अलग अलग जगह होगी। आईटी, लघु और भारी उद्योग के लिए अलग क्षेत्र होंगे। आईटी पार्क, हल्के व भारी उद्योगों के लिए फिलवक्त 3683 .59 हेक्टेयर भूमि चिह्नित है। इसमें पुराने व एलडीए के मास्टर प्लान 2031 में चुने गए क्षेत्र व भूमि भी शामिल है। पहले एलडीए ने तीन श्रेणी में ही जमीनें चुनी थीं। इनमें 46 हेक्टेयर आईटी पार्क, 1048 .26 हेक्टेयर बड़े उद्योग जबकि हल्के उद्योगों के लिए 1911 .35 हेक्टेयर भूमि चिह्नित है।